

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

June, 2012

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

**BPY-003 : ANCIENT AND MEDIEVAL WESTERN
PHILOSOPHY**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answers to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. Define philosophy. How do the different branches of philosophy complement each other ? Explain. 20

OR

Elucidate the five ways of Aquinas proving the existence of God. 20

2. Explain the 'allegory of cave' in reference to the platonic idea of knowledge. 20

OR

Give a detailed exposition of the epicurean ideas on knowledge and ethics. 20

3. Answer *any two* of the following in about **200** words each :

- (a) Explain Metaphysics as a branch of philosophy. **10**
- (b) Differentiate wisdom from knowledge. **10**
- (c) What is the idea of Heraclitus on the union of opposites ? **10**
- (d) Explicate the Socratic ideas on ethics. **10**

4. Answer *any four* of the following in about **150** words each :

- (a) What is Ockham's razor ? **5**
- (b) What is the empiricist method used in philosophy ? **5**
- (c) Distinguish between 'a priori and 'a posteriori'. **5**
- (d) Explain Existentialism. **5**
- (e) What are the three orders of beings according to Avicenna ? **5**
- (f) Differentiate Deduction from Induction. **5**

5. Write short notes on *any five* of the following in about **100** words each :

- | | |
|-----------------|---|
| (a) Abstraction | 4 |
| (b) Dualism | 4 |
| (c) Apeiron | 4 |
| (d) Idea | 4 |
| (e) Universal | 4 |
| (f) Essence | 4 |
| (g) Contingency | 4 |
| (h) Ontology. | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-003 : प्राचीन एवं मध्यकालीन पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) पहले एवं दूसरे प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. दर्शनशास्त्र को परिभाषित कीजिए। दर्शनशास्त्र की विभिन्न शाखाएँ किस प्रकार एक दूसरे की सम्पूरक होती हैं? स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

- ईश्वर-सिद्धि में अगस्टिन द्वारा प्रस्तुत पाँच प्रमाणों की व्याख्या कीजिए। 20

2. प्लेटों की ज्ञानमीमांसा के सन्दर्भ में 'एलगारी ऑफ केव' की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

- एपिक्यूरियन की ज्ञानमीमांसा एवं नीतिशास्त्र का विस्तार से वर्णन कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होना चाहिए।
- (a) दर्शनशास्त्र की शाखा के रूप में तत्वमीमांसा का वर्णन कीजिए। 10
- (b) प्रज्ञा एवं ज्ञान के मध्य अन्तर को स्पष्ट कीजिए। 10
- (c) हेराक्लिटस के विपरीतों के संगठन (union of opposites) के विचार को समझाइये। 10
- (d) सुकरातीय नीतिशास्त्र की व्याख्या कीजिए। 10
4. **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए।
- (a) 'ओखम रेज़र' को स्पष्ट कीजिए। 5
- (b) दर्शन की अनुभववादी पद्धति का वर्णन कीजिए। 5
- (c) पूर्वानुभविक एवं उत्तरानुभविक में अन्तर कीजिए। 5
- (d) अस्तित्ववाद की व्याख्या कीजिए। 5
- (e) अविसेन के द्वारा प्रस्तुत सत् के तीन स्तरों का उल्लेख कीजिए। 5
- (f) निगमन एवं आगमन में अन्तर बताइये। 5

5. **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त (लगभग 100 शब्द) टिप्पणी लिखिए।

- | | |
|-------------------|---|
| (a) अमूर्तीकरण | 4 |
| (b) द्वैतवाद | 4 |
| (c) एपेरान | 4 |
| (d) प्रत्यय | 4 |
| (e) सामान्य | 4 |
| (f) सार (Essence) | 4 |
| (g) आपातिकता | 4 |
| (h) सत्तामीमांसा | 4 |
-